

22/6/22

पचावली वेण हुई है प्राची अथवा
प्रमाण की ओर से कोई हाजिर
नहीं आया। बार - बार आवाज
लगावाई गई। आवजूड का राज
है भी कोई हाजिर नहीं आया
प्रति। वेण है कि प्राची अपने प्रपत्र
दीआई के प्रति उदासीन है तथा को
पलारा नहीं पाए।

अला प्राची - का प्राची अथवा -

निवेधाना अथक पैकी अथक हाजरी के
उदाहरण दिया जाता है। पचावली
प्रमाण सुधार होकर नंबर 2 का
के / वारिज्य एकर हो।